Dainik Bhaskar (Indore), 22nd June 2020, Page-2

आईआईटी ने किया सूर्यग्रहण का निरीक्षण, अब सोलर विंड, अंतरिक्ष के मौसम सहित कई अध्ययन करेंगे प्रोफेसर और विद्यार्थी

इंदौर| आईआईटी इंदौर के एस्ट्रोनॉमी, एस्ट्रोफिजिक्स और स्पेस इंजीनियरिंग विभाग (डीएएएसई) ने रविवार को सूर्यग्रहण का अध्ययन किया। ग्रहण के लिए विशेष रूप से दो टेलीस्कोप भी बनाए गए थे। आईआईटी से मिली जानकारी के अनुसार ग्रहण के दौरान ऐसी परिस्थितियां निर्मित होती हैं जो सूर्य, चंद्रमा, वायुमंडल और आयनमंडल, गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत, खगोलीय पिंडों की गणना और अंतरिक्ष के मौसम के विस्तृत अध्ययन में सहायक होती हैं। ग्रहण के दौरान सोलर विंड यानी सूर्य पर चलने वाली हवाओं का अध्ययन आसान हो जाता है। इससे अंतरिक्ष के मौसम का सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। डीएएएसई के रिसर्च स्कॉलर, आयनोस्फियर, अंतरिक्ष के मौसम सहित सूर्य और सौर मंडल के बारे में भी सूर्यग्रहण की सहायता से आधुनिक रिसर्च करेंगे।

सिमरोल में 5 साल के श्लोक ने ग्रहण देखने की जिद की तो मां ने घर की चद्दर के छेद से ग्रहण जैसा नजारा उसके हाथ पर दिखा दिया।